RPF SI & CONSTABLE 2024

रेल रक्षक बैच

HISTORY

दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश



LIVE STREAMING 08-06-2024 7:00 PM

एहोल (एहोड़) अभिलेख जारी कराया (634 ई०)

Alihole (Ehod) record issued → (634. AD)

(संस्कृत भाषा) (Sanskrit language)

पुलकेशिन के विजय अभियान Pulakeshin's conquests

हर्षवर्धन की पराजय के बारे में जानकारी मिलती है

Information is received about the defeat of Harshavardhana.

एहोल को मंदिरों का शहर कहा जाता है।

- पुलकेशिन II) ने दो राजधानी बनायी Pulakeshin II built two capitals

1. वातापी Vatapi
2. वेंगी Vengi

अपने भाई विष्णुवर्धन को सौंप दी handed over to his brotherVishnuvardhan

सर्वाधिक शक्तिशाली एवं प्रसिद्ध शासक था।

- कांची पर आक्रमण - (उस समय कांची के शासक) Attack on Kanchi – (Ruler of Kanchi at that time)

(असफल) (failed)

महेंद्रवर्मन (पल्लव वंश) Mahendravarman (Pallava dynasty)

- महेन्द्र वर्मन के उत्तराधिकारी → नरसिंह देव वर्मन ने पुलकेशिन II को बहुत बुरी तरह हराया

Successor of Mahendra Varman → Narasimha Deva Varman defeated Pulakesin II very badly

विक्रमादित्य

विनयादित्य Vinayaditya

पुलकेशिन II

⇓

विक्रमादित्य

⇓

विनयादित्य

⇓

विजयादित्य

⇓

विक्रमादित्य II

⇓

कीर्तिवर्मन II → अंतिम शासक

★ विजयादित्य → इसने कांची को अधीन कर लिया : परमेश्ववर्मन II को हराया था

Vijayaditya subjugated its Kanchi: Parameshvavarman II was defeated

विक्रमादित्य II

★ कीर्तिवर्मन II → को हराकर दंतीदुर्ग ने राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की

Dantidurga founded the Rashtrakuta dynasty by defeating Kirtivarman II.

अंतिम शासक

gmp.

- चालुक्य वंश (वेंगी) ⇒ पूर्वी शाखा (Eastern Branch)
  - संस्थापक (founder) ⇒ विष्णुवर्धन
  - राजधानी (capital) ⇒ वेंगी (आंध्रप्रदेश)
  - इस वंश का सर्वश्रेष्ठ प्रतापी राजा विजयादित्य III था।
  - विजयादित्य तृतीय (III)
    - इसका सेनापति (chief commander) "पंडरंग" था।

कल्याणी के चालुक्य → केरल

- संस्थापक (founder) → तैलप II (993-997 AD/ई०)
- राजधानी (capital) → मान्यखेट

तैलप II ⇒ उपाधि (Title) ⇒ अश्वमाल

⇓

⇒ सत्याश्रम (997 AD - 1008 AD)

- महमूद गजनवी भारत इसी के शासनकाल में आया।

⇓

सोमेश्वर प्रथम (I) ⇒ राजधानी (capital) मान्यखेट से कल्याणी बनाई। (Imp.)

⇓

विक्रमादित्य II

विक्रमादित्य II

(1) विरूपाक्ष मंदिर का निर्माण कराया। (Formation of Virupaksh Temple)

↳ कर्नाटक (भगवान शिव को समर्पित)

(Karnataka) (dedicated to God shiva)

विज्ञानेश्वर

⇓

रचना ⇒ मिताक्षरा

⇒ विक्रमादित्य VI

↳ इस वंश का सबसे प्रतापी शासक।

↳ बिल्हण एवं विज्ञानेश्वर इसी के दरबार में रहते थे।

⇓

* "विक्रमांकदेवचरित" ⇒ बिल्हण की रचना

चोल राजवंश

9वीं शताब्दी

- संस्थापक – विजयालय (848 – 871 AD)
- Founder - Vijalaya (848 - 871 AD)
- (राजचिह्न - बाघ Emblem – Tiger
- राजधानी - मलनूर / उरैयूर/ पुहार राजधानी
- Capital - Malanur / Uraiyur / Puhar capital

चोल वंश पल्लवों के ध्वंसावशेषों पर स्थापित किया गया।

तमिलनाडु ← तंजौर (तंजावुर) → Tanjore(Thanjavur)

तंजौर (तंजावुर) ⇒ वास्तुकार (Architect)

⇓

राजराज पेरुन्थच्चन।

चोल राजवंश

- संस्थापक (founder) → विजयालय
- राजधानी (capital) → तंजौर / तंजावूर
- राजचिन्ह (emblem) → बाघ (Tiger)

विजयालय

- उपाधि - नरकेसरी Title – Narkesari -
  - 'चोलेश्वर मंदिर का निर्माण कराया Choleshwar temple built
  - पल्लवों का सामंत था Was a feudatory of the Pallavas

(मंत्री) (Minister)

कराईकल

- सबसे प्रतापी राजा most majestic king
  - उत्तर भारत पर आक्रमण करके मगध & अवंती को जीता

Invaded North India and won Magadha & Avanti

★ वेणी का युद्ध → उ० भारत के राजाओं के संघ को हराया

Battle of Veni → Defeated the confederacy of kings of North India

करिकाल

★ पुहार बंदरगाह का निर्माण किया Puhar port built

★ आदित्य प्रथम (कोदण्डराम) - पल्लव शासक अपराजित वर्मन को हराया

उपाधि

Aditya I (Kodandarama) - defeated Pallava ruler Aparajita Varman

★ परान्तक प्रथम - पांड्य शासको को हराया था Pandya rulers were defeated

तंजौर का चिदम्बरम मंदिर बनवाया Chidambaram temple of Tanjore built

चौलों के स्वतंत्र राज्य की स्थापना।

राष्ट्रकूट शासको "कृष्ण I ने गंगो के साथ मिलकर परांतक I को हरा दिया और उत्तरी क्षेत्र छीना

Rashtrakuta rulers "Krishna I along with Ganga defeated Parantaka I and captured the northern territory.

पल्लव वंश।

↳ हराया

↓

स्वतंत्रता (चोल शासक)

↓

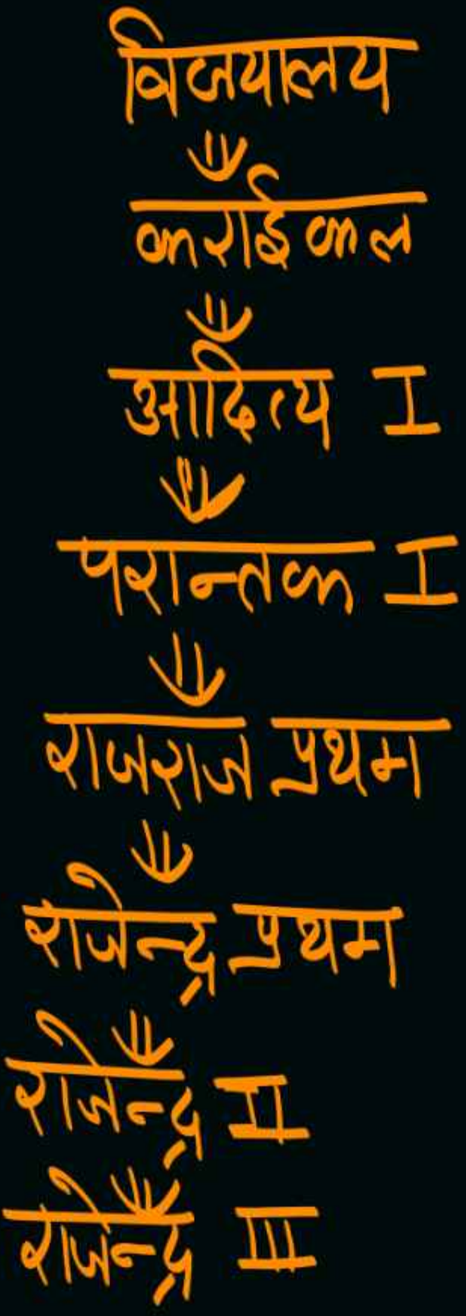
आदित्य I → चोल शासक

← इनसे

पल्लव शासक

"अपराजित वर्मन" को हराया।

→ आदित्य I द्वारा पल्लवों को हराने के पश्चात "कोदण्डराम" की उपाधि धारण की गयी।


विजयालय
कराईकाल
आदित्य I
परान्तक I
राजराज प्रथम
राजेन्द्र प्रथम
राजेन्द्र II
राजेन्द्र III